इतिहास
RAGDA
Handwritten Notes

CAPF | NDA | CDS | FCAT | CPO | SSC GD | ARMY | NAVY | AIR FORCE | STATE POLICE

Also Available on amazon Flipkart

Available Books

WhatsApp No.: 888-27-555-63

अब Live Classes आपके Mobile पर

TotalExam Plus App

TotalExam Publication
Bhagalpur

9 788199 069428

Code : G1 MRP: ₹ 199.00

TotalExam
जुनून वर्दी का

इतिहास
RAGDA
Handwritten Notes

CAPF | NDA | CDS | FCAT | CPO | SSC GD | ARMY | NAVY | AIR FORCE | STATE POLICE

www.totalexam.in
help@totalexam.in
888-27-555-63

Follow Us @ TotalExam

TotalExam

TotalExam
जुनून वर्दी का

इतिहास

RAGDA

Handwritten Notes

CAPF | NDA | CDS | FCAT | CPO | SSC GD

ARMY | NAVY | AIR FORCE | STATE POLICE

Books खरीदने
के लिए Visit करें
www.forcekit.in

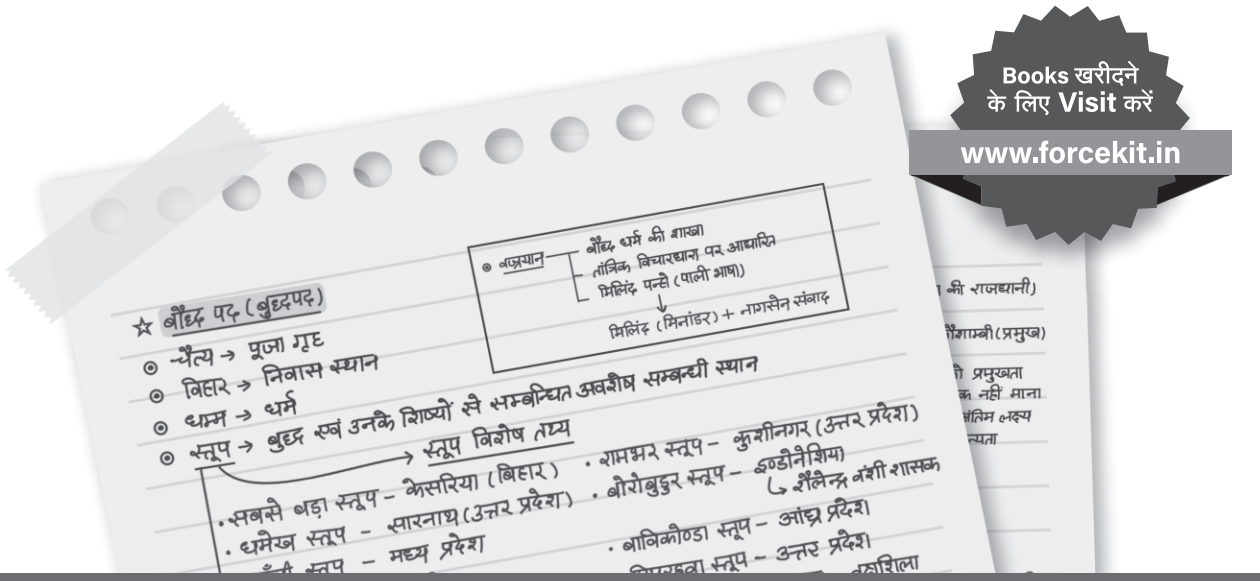

www.totalexam.in
help@totalexam.in
888-27-555-63

Follow Us @ TotalExam

चैप्टर List

प्राचीन भारत

1.	प्राचीन इतिहास के स्रोत	1–2
2.	भारतीय इतिहास का काल विभाजन	3–4
3.	सिन्धु घाटी/हड़प्पा सभ्यता	5–7
4.	वैदिक सभ्यता (1500-600 ई.पू.)	8–11
5.	जैन धर्म	12–13
6.	बौद्ध धर्म	14–17
7.	महाजनपद और मगध साम्राज्य	18–19
8.	मौर्य वंश	20–23
9.	मौर्योत्तर साम्राज्य	24–27
10.	गुप्त साम्राज्य	28–31
11.	गुप्तोत्तर साम्राज्य	32–34
12.	दक्षिण भारत का इतिहास	35–43
13.	पूर्व मध्यकाल	44–46

मध्यकालीन भारत

14.	भारत में अरब व तुर्क आक्रमण	47
15.	दिल्ली सल्तनत	48–52
16.	विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य	53–56
17.	भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	57–59
18.	मुगल साम्राज्य	60–70
19.	प्रान्तीय राजवंश	71–72
20.	उत्तर मुगलकाल	73–74

21.	मराठा शक्ति का उदय	**75–77**
22.	सिखों का उदय	**78–79**

आधुनिक भारत

23.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	**80–81**
24.	अंग्रेजों का भारतीय क्षेत्रों में विस्तार	**82–84**
25.	1857 की क्रान्ति	**85–86**
26.	किसान आन्दोलन एवं जनजातीय विद्रोह	**87–88**
27.	सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन	**89–92**
28.	भारत में प्रेस एवं शिक्षा का विकास	**93–94**
29.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन	**95–98**
30.	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन	**99–103**
31.	गाँधीवादी युग : प्रथम चरण	**104–107**
32.	राष्ट्रीय राजनीति 1922-29 का चरण	**108–110**
33.	गाँधीवादी युग: द्वितीय चरण	**111–115**
34.	स्वतन्त्रता की ओर	**116–120**
35.	गवर्नर, गवर्नर–जनरल एवं वायसराय	**121–124**

01 प्राचीन इतिहास के स्रोत

प्राचीन इतिहास जानने के स्रोत
- पुरातात्विक स्रोत
- साहित्यिक स्रोत
- विदेशी यात्रियों के विवरण

☆ पुरातात्विक साक्ष्य

- प्राचीन वस्तुओं या इमारतों के अवशेषों का अध्ययन → पुरातत्वशास्त्र
- भारतीय पुरातत्वशास्त्र का पितामह → अलेक्जेण्डर कनिंघम

अभिलेख / शिलालेख

- अभिलेखों का अध्ययन → पुरालेखशास्त्र

बोगज़कोई

अभिलेख / शिलालेख	विषय
बोगज़कोई (1400 ई. पू.)	• इन्द्र, मित्र, वरुण और नासत्य का उल्लेख • आर्यों के पूर्व की और (ईरान से) आने का साक्ष्य
मास्की तथा गुर्जरा	अशोक के नाम का स्पष्ट अभिलेख
समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति	राजकवि हरिषेण द्वारा उत्कीर्ण
एरण अभिलेख	सती प्रथा का प्रथम लिखित साक्ष्य (शासक भानुगुप्त)
भितरी स्तम्भलेख	सर्वप्रथम भारत पर हूण आक्रमण की जानकारी (स्कन्दगुप्त)

सिक्के

- सिक्कों का अध्ययन → मुद्राशास्त्र (न्यूमिस्मैटिक्स)
- प्राचीन सिक्के → आहत (पंचमार्क) → केवल चिह्न
- पहले स्वर्ण सिक्के → हिंद-यूनानी शासकों द्वारा

- सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएँ गुप्तों द्वारा
- सर्वाधिक शुद्ध स्वर्ण मुद्राएँ कुषाणों द्वारा

नोट– समुद्रगुप्त का सिक्कों पर वीणा बजाते हुए चित्रण।

स्मारक / भवन / गुफा

- इमारतों के अवशेष आदि का अध्ययन
- कुम्हार (पटना) से चन्द्रगुप्त मौर्य के राजप्रसाद के अवशेष
- अशोक द्वारा बराबर की पहाड़ियों में 4 गुफाओं का निर्माण
  - सुदामा
  - कर्ण चौपड़
  - विश्व झोपड़ी
  - लोमश
  - → आजीवकों को प्रदत्त

दशरथ द्वारा नागार्जुनी पहाड़ियों में गुफा निर्माण
- गोपी
- वेदथिका
- वापिया का गुफा
- → आजीवकों को प्रदत्त

मूर्तियाँ / चित्रकला

- कुषाण काल में बौद्ध धर्म से संबंधित मूर्तियों का निर्माण
- बुद्ध की प्राचीनतम मूर्तियाँ गांधार शैली में
- अजंता की गुफाओं के चित्र पहली शताब्दी ई. से 7वीं शताब्दी ई. तक

साहित्यिक साक्ष्य/स्रोत

धार्मिक साहित्य

- वेद
- वेदांग
- उपनिषद्
- ब्राह्मण
- आरण्यक
- पुराण
- बौद्ध ग्रंथ
- जैन ग्रंथ

नोट —
- बौद्ध ग्रंथों (त्रिपिटक, जातक, दीपवंश, महावंश आदि) से मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी प्राप्त।
- जैन ग्रंथों में (परिशिष्टपर्वन, भद्रबाहुचरित, भगवती सूत्र) → महाजनपदों की चर्चा
- मिलिंदपन्हो से यवन शासक मिनाण्डर की जानकारी प्राप्त।

वेद — 4
- ऋग्वेद - ऋचाओं का संग्रह
- सामवेद - गीति रूप मंत्रों का संग्रह (संगीत का प्रथम साक्ष्य)
- यजुर्वेद - यज्ञानुष्ठान के नियम (कर्मकाण्ड प्रधान)
- अथर्ववेद - तंत्र - मंत्रों का संग्रह

प्रमुख ऐतिहासिक साहित्य

ग्रंथ	रचनाकार	जानकारी / विषय
अष्टाध्यायी	पाणिनी	• संस्कृत व्याकरण का पहला ग्रंथ • पूर्व मौर्यकाल की सामाजिक दशा का चित्रण
अर्थशास्त्र	कौटिल्य	• मौर्यकालीन राजव्यवस्था का चित्रण • राजकीय व्यवस्था पर लिखित प्रथम पुस्तक
राजतरंगिणी	कल्हण	• कश्मीर के इतिहास का वर्णन
महाभाष्य	पतंजलि	• मौर्योत्तरकालीन व्यवस्था की जानकारी

☆ विदेशी यात्रियों के वृतान्त

यूनानी
- हेरोडोटस (इतिहास का पिता)
  - यूनानी इतिहासकार
  - इन्होंने अपनी रचनाओं में कल्पित कहानियों को स्थान दिया
- टीसियस — ईरान का राजवैद्य
- मेगस्थनीज (इण्डिका की रचना)
  - चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में सैल्यूकस का राजदूत
  - मौर्यकालीन समाज तथा राजव्यवस्था का वर्णन
- टॉलेमी — 'ज्योग्राफी' नामक पुस्तक की रचना
- प्लिनी — नेचुरल हिस्ट्री की रचना (पहली सदी में)
- पुस्तक पैरीप्लस ऑफ द एरिथ्रीयन सी (लेखक अज्ञात)
  - भारत के बंदरगाहों तथा व्यापारिक वस्तुओं के बारे में जानकारी

चीनी
- फाह्यान (399ई. में भारत आया)
  - चन्द्रगुप्त द्वितीय के दरबार में आया
  - 14 वर्षों तक भारत में रहा
- सुंगयुन (518 ई. में भारत आया)
  - तीन वर्षों में बौद्ध धर्म ग्रंथों की प्रतियाँ एकत्र की
- ह्वेनसाँग (पुस्तक → सि-यू-की)
  - हर्षवर्धन के शासनकाल में (630 ई.) भारत आया (15 वर्ष रहा)
  - हर्षकालीन समाज, धर्म तथा राजनीति का विवरण प्राप्त
- इत्सिंग (सातवीं शताब्दी के अंत में भारत आया)
  - नालंदा, विक्रमशिला विश्वविद्यालय में अध्ययन तथा भारतीय समाज का वर्णन

अरबी
- अलबरूनी
  - महमूद गजनवी के साथ भारत आया (1017 ई. में)
  - आधुनिक तुर्कमेनिस्तान का निवासी
  - रचना — किताब-उल-हिंद या तहकीक-ए-हिंद
- इब्नबतूता (यात्रा वृतांत — रेहला)
  - 1333 ई. में भारत आया
  - मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली का काज़ी (न्यायाधीश) नियुक्त किया

अन्य लेखक
- तारानाथ (1575-1635ई.)
  - तिब्बती लेखक
  - ग्रंथ — कंग्युर तथा तंग्युर
- मार्कोपोलो — 13वीं शताब्दी के अंत में (1288-1292ई.) पाण्ड्य देश की यात्रा पर आया
  - विवरण पाण्ड्य इतिहास के अध्ययन के लिए उपयोगी

प्राचीन इतिहास से सम्बन्धित पुस्तकें देखने के लिए QR कोड स्कैन करें

02 भारतीय इतिहास का काल विभाजन

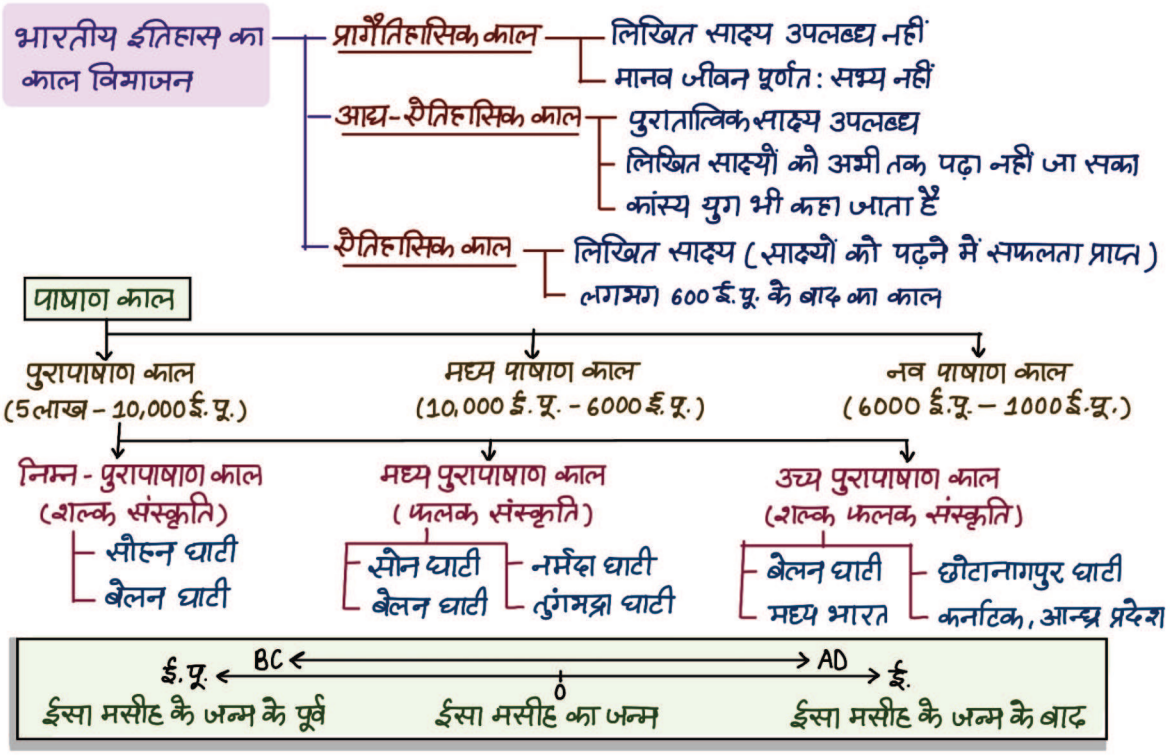

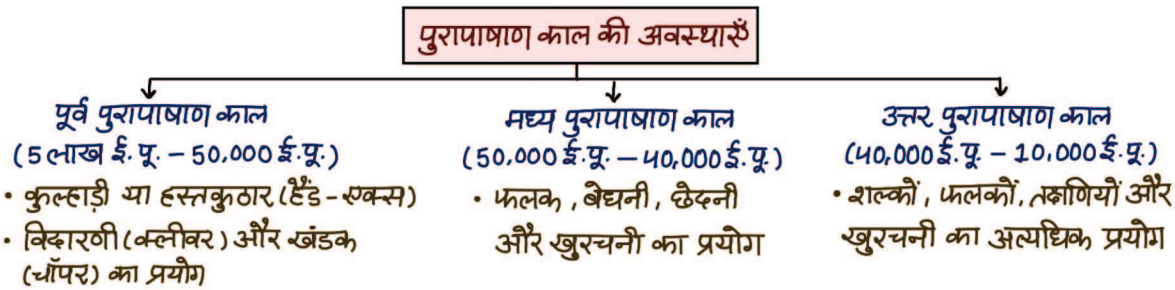

पूर्व पुरापाषाण कालीन स्थल			
स्थल	क्षेत्र	स्थल	क्षेत्र
सौअन या सोहन नदी घाटी	पंजाब (पाकिस्तान)	नेवासा	महाराष्ट्र
बेलन घाटी	मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)	हुन्सगी	कर्नाटक
डीडवाना	राजस्थान	पहलगाँव	कश्मीर
भीमबैटका	भोपाल (मध्य प्रदेश)	पटने (सर्वप्रथम शुतुरमुर्ग के साक्ष्य)	महाराष्ट्र
नोट – पूर्व पुरापाषाण काल की अवधि में जलवायु में नमी कम हो गई थी।			

मध्य पुरापाषाण काल	उत्तर पुरापाषाण काल
• सरल बटिकाश्म उद्योग प्रचलित पत्थर के गोलों से वस्तुओं का निर्माण • शिल्प सामग्री नर्मदा और तुंगभद्रा नदी के किनारे उपस्थित	• आर्द्रता कम • जलवायु अपेक्षाकृत गर्म • चकमक उद्योग की स्थापना

◉ मध्यपाषाण काल (10,000 ई.पू. – 6000 ई.पू. तक)

- पुरापाषाण युग और नवपाषाण युग के मध्य का संक्रमण काल
- मुख्यत: आखेटक और पशुपालक
- गर्म जलवायु के परिणामस्वरूप वनस्पतियों और जीवों में वृद्धि
- अहिंसक पशुओं को पालतू बनाया (सबसे पहला पालतू पशु - कुत्ता)
- पत्थर के बहुत छोटे औजारों (Microliths) का प्रयोग

→
- आग का आविष्कार
- महत्त्वपूर्ण स्थल
  - आदमगढ़ → मध्य प्रदेश
  - बागौर → राजस्थान

◉ नवपाषाण काल (6000 – 4000 ई.पू.)

- पशुओं को पालतू बनाने के साक्ष्य
- कृषि के साक्ष्य (मेहरगढ़ – प्राचीनतम)
- गेहूँ, जौ (सबसे प्राचीन) और कपास की खेती के प्रमाण

- खाद्य उत्पादक
- घरों के साक्ष्य
- पहिये का आविष्कार

☆ कश्मीर घाटी → हड्डियों के बने उपकरण / हथियार

बुर्जहोम
- श्रीनगर से 16 Km पश्चिम में
- इंसानों के साथ पालतू कुत्तों के शवाधान

गुफ्कराल – 'कुम्भकारों की गुफा'
- श्रीनगर के 41 Km दक्षिण - पश्चिम में
- कृषि + पशुपालन

नवपाषाण कालीन स्थल	
बेलन घाटी (कोल्डिहवा)	सबसे पहले (7000 ई.पू.) चावल के साक्ष्य
प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	चावल की खेती
भीमबेटका (मध्य प्रदेश)	चट्टानों में चित्रकला (मानवों के चित्र)
चिरांद (बिहार)	हड्डियों के उपकरण
संगनकल्लू, ब्रह्मगिरि पिक्लीहल, हल्लूर (कर्नाटक)	बाजरा की खेती
बुडिहाल (कर्नाटक), उत्नूर (तेलंगाना) (सबसे प्राचीन स्थल), नागार्जुनीकोंडा (आन्ध्रप्रदेश)	भीमा, कृष्णा और तुंगभद्रा नदी के पास

◉ ताम्र युग (Chalcolithic Age) →

- मानवों द्वारा पहली धातु की खोज → ताँबा
- ताँबा और पत्थरों का साथ-साथ प्रयोग
- ग्रामीण समुदाय

	प्रमुख ताम्रपाषाणिक संस्कृतियाँ	
	संस्कृति	क्षेत्र
धातु कर्म का ज्ञान →	अहाड़ संस्कृति	राजस्थान का उदयपुर क्षेत्र
	कायथा संस्कृति	चम्बल नदी का क्षेत्र
	रंगपुर संस्कृति	गुजरात का तटीय क्षेत्र
	मालवा संस्कृति	नर्मदा नदी का क्षेत्र
सबसे बड़ी साइट →	जोर्वे संस्कृति	महाराष्ट्र का दैमाबाद व इनामगाँव

ताम्रपाषाण कालीन स्थल	
पूर्वी भारत	चिरांद (गंगा नदी) वर्दमान, मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)
मध्य भारत	मालवा, कायथा, एरण
महाराष्ट्र	जोरवे, नेवासा और दैमाबाद तथा चंदोली सोनगाँव, इनामगाँव, प्रकाश और नासिक
दक्षिण-पूर्वी राजस्थान	अहाड़ (सबसे पहला) और गिलुंद

पुरापाषाण काल, मध्य पाषाण काल एवं नवपाषाण युगीन स्थल देखने के लिए QR कोड स्कैन करें

03 सिन्धु घाटी/हड़प्पा सभ्यता

- विश्व की प्राचीनतम सभ्यता [कांस्य युग]
- मैसोपोटामिया, मिस्र और चीनी सभ्यता की समकालीन
- प्रथम नगरीय क्रांति की अवस्था
- जॉन मार्शल के निर्देशन में सर्वप्रथम हड़प्पा स्थल की खोज के कारण 'हड़प्पा सभ्यता' नाम
- दयाराम साहनी द्वारा वृहद नगरीय ढाँचे की खोज
- रेडियो कॉर्बन डेटिंग (C-14) पद्धति द्वारा काल - 3350 - 1750 ई.पू.

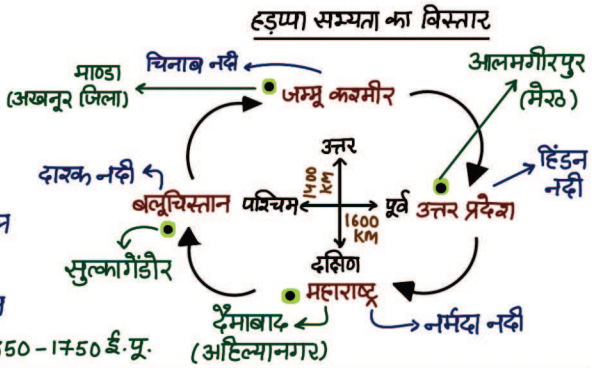

हड़प्पा सभ्यता : प्रमुख स्थल, उत्खननकर्ता, वर्ष, नदी, स्थिति एवं प्राप्त साक्ष्य					
प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता	वर्ष	नदी	स्थिति	प्राप्त साक्ष्य
हड़प्पा	दयाराम साहनी	1921	रावी के बायें किनारे पर	साहीवाल (पाकिस्तान)	मुहरों पर एक शृंगी पशु, काँसे की इक्कागाड़ी, अन्नागार, शंख का बैल, कब्रिस्तान R-37, मातृ देवी की मूर्ति
मोहनजोदड़ो	राखालदास बनर्जी	1922	सिन्धु के दाहिने किनारे पर	लरकाना (पाकिस्तान)	मृतकों का टीला, तीन मुख वाले देवता (पशुपति सील), नर्तकी (त्रिभंग मुद्रा) की काँस्य मूर्ति, विशाल अन्नागार व स्नानागार, सूती वस्त्र, दाढी वाला पुरुष (शैलखड़ी)
चन्हूदड़ो	एन.जी. मजूमदार	1931	सिन्धु	सिन्ध (पाकिस्तान)	मनके बनाने के कारखाने, लिपिस्टिक का साक्ष्य, मिट्टी की बैलगाड़ी का साक्ष्य
कालीबंगा	अमलानन्द घोष	1951	घग्घर (सरस्वती)	श्रीगंगानगर (राजस्थान)	जुते हुए खेत, नक्काशीदार ईंट, काले कंगन, हर घर में कुँआ, अग्निवेदिका, पक्की मिट्टी का हल
कोटदीजी	फजल अहमद	1953-54	सिन्धु	खैरपुर (पाकिस्तान)	पत्थर के बाणाग्र, गेहूँ का जखीरा, पत्थर की नींव वाले घर, गर्तावास
रंगपुर	रंगनाथ राव	1953-54	मादर	काठियावाड़ (गुजरात)	धान की भूसी, गेहूँ की खेती, घोड़े की मृण्मूर्ति, कच्ची ईंटों का दुर्ग
रोपड़	यज्ञदत्त शर्मा	1953-56	सतलज	रोपड़ (पंजाब)	मानव के साथ कुत्ते दफनाने का साक्ष्य, ताँबे की कुल्हाड़ी, शंख की चूड़ियाँ
लोथल	एस. रंगनाथ राव	1955-63	भोगवा	अहमदाबाद (गुजरात)	प्राकृतिक बन्दरगाह (डॉकयार्ड), जहाज बनाने का सामान, हाथीदाँत का पैमाना, युग्म शवाधान, चावल के दाने, खिलौना, आग की वेदी, टैराकोटा जहाज
बनावली	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	1974	सरस्वती नदी	हिसार (हरियाणा)	मिट्टी से बना हल का खिलौना, जौ, स्वर्ण पट्ट, मिट्टी के मनके, मछली पकड़ने की बंसी

नोट – हरियाणा (हिसार) का राखीगढ़ी - अब तक का सबसे बड़ा उत्खनित हड़प्पा सभ्यता स्थल
इसके बाद मोहनजोदड़ो व हड़प्पा का स्थान

अन्य स्थल की जानकारी के के लिए QR कोड स्कैन करें

☆ नगरीय योजना

◉ नगरीय अवशेष — निर्माण में एकरूपता
↳ दो भागों में विभाजित

- ऊपरी भाग → दुर्गीकृत
  - राजकीय इमारतें
  - खाद्य भण्डार गृह
- निम्न भाग → छोटे भवन

◉ भवन निर्माण में ग्रिड पद्धति
↳ सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं

- मकानों की खिड़कियाँ मुख्य सड़क की ओर न खुलकर पीछे की ओर
  ↓ लौथल अपवाद
- भवन निर्माण पक्की ईंटों से
- जल निकास प्रणाली मुख्य विशेषता
- मोहनजोदड़ो से विशाल स्नानागार एवं अन्नागार (अन्न की कोठरी) के साक्ष्य
  ↳ हड़प्पा के अन्नागार 6-6 की पंक्तियों में कुल 12 अन्नागार प्राप्त हुए हैं।

आयातित वस्तुएँ	
वस्तुएँ	स्थल / क्षेत्र
सोना	कर्नाटक, अफगानिस्तान, ईरान
चाँदी	ईरान, अफगानिस्तान
ताँबा	खेतड़ी (राजस्थान), बलूचिस्तान, ओमान
सीसा	राजस्थान, ईरान, अफगानिस्तान
टिन	मध्य एशिया, अफगानिस्तान
लाजवर्दमणि (Lapis Lazuli)	बदख्शां (अफगानिस्तान)
सैलखड़ी	बलूचिस्तान, राजस्थान, गुजरात
गोमेद	सौराष्ट्र, गुजरात

धौलावीरा — तीन भागों में विभक्त
↳ दो भाग दुर्गीकृत

☆ सामाजिक जीवन

- मुख्य आधार 'परिवार'
- मातृसत्तात्मक समाज
- व्यवसाय के आधार पर चार वर्ग
  - पुरोहित (विद्वान)
  - योद्धा
  - व्यापारी
  - श्रमिक
- मछली पकड़ना और शिकार दैनिक क्रियाकलाप
- स्त्री, पुरुष दोनों में आभूषणों के प्रति आकर्षण
  - मनका निर्माण फैक्ट्री चन्हूदड़ो में
  - सोने, चाँदी, हाथीदाँत, सीपियों से निर्मित

शाकाहार और मांसाहार दोनों प्रचलित
↳ गेहूँ, जौ, तिल, दालें मुख्य खाद्यान्न

लघु मृण्मूर्तियाँ → टेराकोटा (पक्की मिट्टी से)
↳ फिगरिन (मूर्तिकाएँ)
खिलौने या पूज्य प्रतिमाएँ (नारी मृण्मूर्तियाँ अधिक)

☆ धार्मिक जीवन

- रूढ़ियों एवं कर्मकाण्डों को महत्व
- मातृशक्ति में विश्वास
- मोहनजोदड़ो से पशुपति शिव की उत्कीर्ण मूर्ति
- कूबड़ वाला बैल तथा शृंगयुक्त पशु, पवित्र पशु
- लिंग पूजा प्रचलित
- अग्निकुण्ड, कालीबंगा से प्राप्त

मोहनजोदड़ो से एक मूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता हुआ पौधा दिखाया गया है
↳ धरती की उर्वरता की देवी

- स्वास्तिक, चक्र तथा क्रॉस के भी साक्ष्य
- अंतिम संस्कार की तीन विधियाँ
  - पूर्ण समाधीकरण] – अधिक प्रचलित
  - आंशिक समाधीकरण
  - दाह संस्कार

TRICK

पशुपति मुहर पर उत्कीर्ण पशु

D E R T – B

- D → Deer [हिरण (2)]
- E → Elephant (हाथी)
- R → Rhino [एक सींग वाला गैंडा]
- T → Tiger (बाघ)
- B → Buffalo (भैंस)

आर्थिक जीवन

कृषि	• नौ फसलों की पहचान → गेहूँ, जौ, कपास, मटर, राई, सरसों, तिल, खजूर और तरबूज आदि। (कपास → सिण्डॉन (यूनानी लोग)) • चावल की खेती → रंगपुर व लोथल • कृषि में हल का प्रयोग → प्रमाण – कालीबंगा
सिंचाई	• व्यवस्थित सिंचाई प्रणाली का प्रमाण नहीं • जल-संग्रह हेतु बाँधों का निर्माण → धौलावीरा में
पशुपालन	• बकरी, भैंस, सुअर, गधे के साक्ष्य • घोड़े के अस्थिपंजर – सुरकोटड़ा
विनिमय प्रणाली/माप	• वस्तु विनिमय का प्रचलन • माप हेतु दशमलव प्रणाली (लोथल से हाथी दाँत पैमाना) • तौल हेतु द्विभाजन प्रणाली (16 के अनुपात में)
मुहरें / गोदी बाड़ा	• सेलखड़ी से निर्मित • कालीबंगा से मेसोपोटामिया की बेलनाकार मुहरें प्राप्त। • लोथल से गोदीबाड़ा का साक्ष्य।

☆ लिपि तथा लेखन कला

◉ चित्राक्षर लिपि

- 64 मूल चिह्न
- 250 – 400 तक चित्राक्षर (पिक्टोग्राफ)
- अंकन – सेलखड़ी की आयताकार मुहरों पर
- लिखावट – प्रायः दाईं से बाईं ओर (बूस्ट्रोफैडन लिपि)
  - सबसे अधिक प्रयोग ∪ आकार
  - सबसे अधिक प्रचलित चिह्न - मछली

पतन के संदर्भ में विभिन्न मत	
विद्वान	मत
गार्डन चाइल्ड एवं व्हीलर	बाह्य एवं आर्यों का आक्रमण
जॉन मार्शल, मैके तथा राव	बाढ़
आरेल स्टाइन, ए. एन घोष	जलवायु परिवर्तन
एम. आर. साहनी	भू-गर्भिक परिवर्तन
जॉन मार्शल	प्रशासनिक शिथिलता
के. ए. आर कैनेडी	प्राकृतिक आपदा